Kanya Mahavidyalaya Kharkhoda

Report of Seven Days Special Camp

NSS Unit-1 and 2

Date:26-10-2022 to 1-11-2022

Venue: Village Matindu, Distt.Sonipat

Report of Day -1

26-10-2022

कन्या महाविद्यालय खरखोदा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 1 तथा 2 की ओर से सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ "घर घर यज्ञ, हर घर यज्ञ" के मंत्र से किया गया । कॉलेज प्राचार्या डॉ श्रीमती योगिता मलिक ने शिविर का शुभारंभ करते हुए कहा कि युवाओं को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए देश को कुरीतियों से बचाना होगा।

यज्ञ के दौरान वेद मंत्रों का उच्चारण करते हुए श्रीमती शारदा आर्या , भूतपूर्व संस्कृत प्राध्यापिका ने कहा कि यज्ञ, वैदिक काल से हमारे जीवन का मूल रहा है। यज्ञ पर्यावरण को शुद्ध करने के साथ-साथ , हमारे जीवन में एक नई ऊर्जा और विश्वास का प्रभाव सुनिश्चित करता है। अथर्व वेद में ऋषि-मुनियों ने लिखा है कि "अयज्ञियो हत वर्चो भवति" अर्थात यज्ञ रहित मनुष्य का तेज नष्ट हो जाता है। यदि तेजस्वी रहना है तो यज्ञ करते रहना चाहिए। ऋग्वेद कहता है कि "अरं कृण्वन्तु वेदिं समग्निमिन्धतां पुरः" अर्थात् ईश्वर की आज्ञा है कि तुम यज्ञवेदी को अलंकृत करो और उसमें अग्नि को प्रज्जवलित करो। वैदिक काल के ऋषि-मुनियों ने ही नहीं बल्कि आधुनिक काल के वैज्ञानिकों ने भी यज्ञों की प्रमाणिकता पर मुहर लगाई है। राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान द्वारा किए गए एक शोध में पता चला है कि यज्ञ के दौरान उठने वाले धुएं से वायु में मौजूद हानिकारक जीवाणु 94 % तक नष्ट हो जाते हैं।

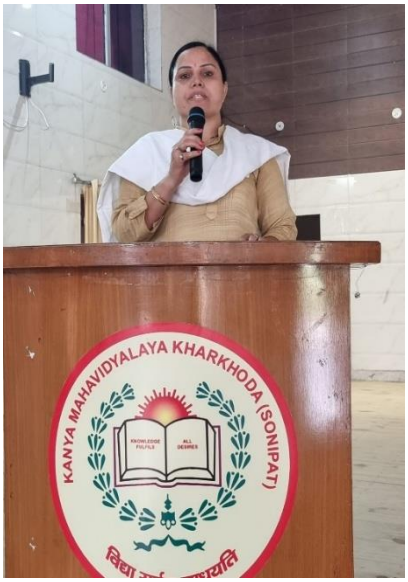

कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रमिला ने बताया कि यह शिविर 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक , गांव मटिण्डू जिला सोनीपत में लगाया जाएगा, जिसमें दोनों इकाइयों से 100 स्वयंसेविकाएं भाग लेंगी । इन 7 दिनों में विभिन्न गतिविधियों जैसे मतदाता जागरूकता, पर्यावरण जागरूकता, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पोषित आहार, स्वास्थ्य एवं , व्यक्तिगत स्वच्छता, नशे के दुष्प्रभाव, उपभोक्ता अधिकार जैसे विषयों पर ग्रामीणों को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि छात्रों में अपार ऊर्जा है। वे समाज को नई दिशा दे सकते हैं।कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए श्रीमती माया, भूतपूर्व अध्यापिका , ने नैतिक मूल्यों के बारे में बताते हुए कहा कि व्यक्ति के जीवन में कुसंगति , कुदृष्टि तथा कुआचरण आते हैं। इससे धीरे-धीरे समाज प्रभावित होता है। कुदृष्टि से बदली सृष्टि को सरकारी कानून नहीं सुधार पाते। उसे सतत सत्संग ही रोक सकता है, जो व्यक्ति के अंतरमन पर दबाव बना सकने में समर्थ होता है। यह भी तभी संभव

जब उन दृश्यों, विचारों तथापरिवेश पर समाज का प्रभावी प्रतिबंध हो जो व्यक्ति की दृष्टि को दूषित करते हैं। मन पर दंड का भय दुराचरण करते समय नहीं रहता, पर यदि सुसंगति के संस्कार कहीं मन के कोने में पड़े होते हैं तो वे असमय में जाग जाते हैं और दुराचरण रुक जाता है। सच्चाई यह है कि बढ़ती भौतिकता ने नैतिक मूल्यों को अर्थहीन कर दिया है।

सायंकाल सत्र में योग शिक्षिका श्रीमती मनीषा ने बताया कि शरीर को चुस्त-दुरुस्त और मन को शांत रखने के लिए दुनियाभर में ज्यादातर लोग योग का सहारा ले रहे हैं।

कार्यक्रम अधिकारी, डॉ सुमन ने सभी शिक्षाविदों का धन्यवाद किया।

स्वयंसेविकाओं ने किया शिविर का शुभारंभ

खरखौदा। कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ हवन करके किया गया। स्वयंसेविकाओं ने स्टाफ सदस्यों के साथ मिलकर आहुति डाली। इससे पहले प्राचार्य डॉ. योगिता मलिक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान पूर्व संस्कृत प्राध्यापिका शारदा आर्य ने कहा कि सनातन धर्म में हवन करने की परंपरा पहले से चली आ रही है। हवन पर्यावरण को शुद्ध करने के साथ हमारे जीवन में नई ऊर्जा पैदा करता है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रमिला ने बताया कि शिविर एक नवंबर तक गांव मटिंडू में चलाया जाएगा। सात दिनों में विभिन्न विषयों जैसे मतदाता जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, पोषित आहार, स्वास्थ्य, स्वच्छता, नशे के दुष्प्रभाव व उपभोक्ता अधिकार पर ग्रामीणों को जागरूक किया जाएगा। संवाद

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का 7 दिवसीय शिविर शुरू

खरखौदा | शहर के कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक व दो की ओर से सात दिवसीय शिविर शुरू किया गया है। इस दौरान हवन यज्ञ भी किया गया। स्वयं सेविकाओं ने स्टाफ सदस्यों के साथ मिलकर हवन यज्ञ में आहुति डाली। प्राचार्य डॉ. योगिता मलिक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। पूर्व संस्कृत प्राध्यापिका शारदा आर्या ने हवन के दौरान कहा कि यज्ञ, वैदिक काल से हमारे जीवन का मूल रहा है। यज्ञ पर्यावरण को शुद्ध करने के साथ-साथ हमारे जीवन में एक नई ऊर्जा और विश्वास का प्रभाव सुनिश्चित करता है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रमिला ने बताया कि यह शिविर 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक गांव मटिंडू में चलाया जाएगा।

खरखौदा। यज्ञ में आहुति डालते हुए छात्राएं व कालेज स्टाफ।

कन्या महाविद्यालय की एनएनएस की दोनों इकाइयों का सात दिवसीय शिविर शुरू

खरखौदा। कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई (एक व दो) का सात दिवसीय शिविर शुरू हो गया है। शुभारंभ के समय धार्मिक अनुष्ठान हवन किया गया। स्वयं सेविकाओं ने स्टाफ सदस्यों के साथ मिलकर यज्ञ में आहुति डाली। प्राचार्य डा. योगिता मलिक ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। संस्कृत की पूर्व प्राध्यापिका शारदा आर्या ने हवन के दौरान कहा कि यज्ञ, वैदिक काल से हमारे जीवन का आधार रहा है। यज्ञ पर्यावरण को शुद्ध करने के साथ-साथ हमारे जीवन में एक नई ऊर्जा और विश्वास को सुनिश्चित करता है। कार्यक्रम अधिकारी डा. प्रमिला ने बताया कि शिविर का आयोजन एक नवंबर तक गांव मटिंडू में किया जाएगा। सात दिनों में विभिन्न विषयों जैसे मतदाता जागरूकता, पर्यावरण जागरूकता, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पोषित आहार, स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वच्छता, नशे के दुष्प्रभाव, उपभोक्ता अधिकार आदि पर ग्रामीणों को जागरूक किया जाएगा। सायंकालीन सत्र में योग शिक्षिका मनीषा ने स्वयं सेविकाओं के योग करवाया।

शिविर में सीखेंगे पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के तरीके

कन्या कालेज के सभागार मे सात दिवसीय एनएसएस शिविर का हवन यज्ञ के साथ किया जा रहे शुभारंभ के दौरान आहुति डालती स्वय सेविकाएं ■ जागरण

संवाद सहयोगी, खरखौदा : शहर के कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक व दो की ओर से सात दिवसीय शिविर शुरू किया गया है। इस दौरान हवन यज्ञ भी किया गया। स्वयंसेविकाओं ने स्टाफ सदस्यों के साथ मिलकर हवन यज्ञ में आहुति डाली। प्राचार्य डा. योगिता मलिक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

पूर्व संस्कृत प्राध्यापिका शारदा आर्या ने हवन के दौरान कहा कि यज्ञ, वैदिक काल से हमारे जीवन का मूल रहा है। यज्ञ पर्यावरण को शुद्ध करने के साथ-साथ हमारे जीवन में एक नई ऊर्जा और विश्वास का प्रभाव सुनिश्चित करता है। कार्यक्रम अधिकारी डा. प्रमिला ने बताया कि यह शिविर 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक गांव मटिंडू में चलाया जाएगा।

Relevant link:-

https://aimamedia.org/newsdetails.aspx?nid=145221

https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=pfbid0Sm2rcP5Vz7T5SCrghZEfqGmjMXhnMiQrvMX5r721G24P

Day-2

27-10-2022

कन्या महाविद्यालय खरखोदा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 1 तथा तथा दो की ओर से सात दिवसीय शिविर के दूसरे दिन सर्वप्रथम डॉक्टर सीमांत एसोसिएट प्रोफेसर, कन्या महाविद्यालय खरखोदा के द्वारा एक वक्तव्य "जागरूक मतदाता " विषय पर दिया गया । इसके पश्चात मतदाताओं को जागरूक करने के लिए , स्वयंसेविकाओं ने "जागरूक मतदाता" विषय पर , गांव मटिंडू में रैली निकाली गई। शिविर का दूसरा दिन गांव मटिंडू में जाकर वहां समुदाय के लोगों को जागरूक किया कि सभी को अपना वोट डालने का अधिकार है और हम एक लोकतांत्रिक देश में रहते है और अपने वोट का सही इस्तेमाल करें।कार्यक्रम अधिकारी- डॉक्टर प्रमिला ने बताया कि हमारे देश में हर वर्ष किसी न किसी स्थान पर चुनाव होते हैं और अगर आपकी उम्र 18 साल की हो गई है तो आप वोट का कार्ड बनवा ले और उसका सदुपयोग करें और अपनी वोट को सही तरीके से उपयोग करें। वोट देने वाले व्यक्ति हैं तो हमारी आपसे यही निवेदनहै कि आप अपने मतदान का उपयोग कीजिए आपके वोट से आएगा बदलाव समाज सुधरेगा - कम होगा तनाव। कविताओं और नारों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया कि वह अपना वोटर लिस्ट में नाम लिखवाए और वोटर कार्ड सभी बनवाएं एवं राष्ट्र का जो उत्थान करें उसी को हम करें मतदान, एक वोट से ही होती जीत हार वोट ना हो कोई बेकार, के नारे लगाते हुए सभी स्वयं सेविकाओं ने गांव में मतदाताओ को जागरूक किया।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ सुमन ने सभी स्वयं सेविकाओं का और इस शिविर से जुड़े हुए सभी अधिकारियों का धन्यवाद किया और यह बताया कि मतदान हमारा कानूनी अधिकार है। इसलिए सही उमीदवार को वोट दें ताकि हमारा देश और क्षेत्र का विकास हो सके आपका मतदान लोकतंत्र की जान ,अलख जगायेंगे- मतदाता को जागरूक बनाएंगे। सभी स्वयं सेविकाओं ने ग्रामीणों के साथ शपथ ली कि हम फसल अवशेष को ना जलाएंगे और सभी को जागरुक भी करेंगे ताकि वह भी फसल अवशेष का उपयोग करें।इसके बाद छात्राओं के जलपान के पश्चात शिविर के दूसरे सत्र में खेतीबाड़ी विभाग से Dr Ravinder Dahiya (BAO), Sh. Deepak Sharma (ADO) & Sh. Raghuraj (Supervisor) ने कृषि से संबंधित उपयोगी तथ्यों को छात्राओं के साथ साझा किया। उन्होंने पराली के विषय में भी समाज एवं छात्राओं को जागरूक किया । सायकालीन सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । हरियाणवी डांस में विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुति दी, वही कविताओं के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए। इसके बाद 200 मीटर दौड़ में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

Result of different Competitions is as follows:

Haryanvi Dance Competition:

*Aanchal and Suchita -First in Folk Dance

Result of Solo Performance:

*Sakshi and Tanu -First

*Kiran -Second

*Ashu & Payal- Third

* Aakansha- Consolation

Poetic Recitation:

Asha & Suchita- First

* Kusum- Second

* Somwati & Komal- Third

* Mitali & Meenakshi – Consolation

Two Hundred Meter Race:

Rambhateri & Muskan- First

* Somwati & Manisha -Second

* Sriti & Himanshi- Third

* Gita & Arti- Forth

NEWS CORNER

या सभी को है वोट का अधि

विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 1
के दूसरे दिन सर्वप्रथम डॉ. सीमांत द्व
' विषय पर दिया गया । इसके पश्चात
लिए स्वयंसेविकाओं ने जागरूक मतदात
ली। शिविर का दूसरा दिन गांव मटिंडू में ज
क किया गया। जागरूकता रैली के माध्यम स
ट डालने का अधिकार है और हम एक ले
ने वोट का सही इस्तेमाल करें। कार्यक्रम
क वोट देने वाले व्यक्तियों से निवेदन है वि
कृषि विभाग से डॉ. रविंदर दहिया, एडी
ने कृषि से संबंधित उपयोगी तथ्यों को
पराली के विषय में भी छात्राओं को जागरूव

स्वयंसेविकाओं ने मतदाता जागरूक रैली निकाली

टिंडू गाव में मतदाता जागरूकता रैली निकालती स्वयंसेविकाएं ● जागरण

संवाद सहयोगी, खरखौदा : कन्या हाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना काई एक और दो ने मटिंडू गांव में लाए जा रहे सात दिवसीय शिविर के तहत पंचायत चुनाव के मद्देनजर तदाताओं को जागरूक करने के लिए वयंसेविकाओं ने रैली निकाली। इस रान स्वयंसेविकाओं ने कहा कि सभी ो अपना वोट डालने का अधिकार है ौर हम एक लोकतांत्रिक देश में रहते । लोग अपने वोट का सही इस्तेमाल करें। कार्यक्रम अधिकारी डा. प्रमिला ने बताया कि हमारे देश में हर वर्ष किसी न किसी स्थान पर चुनाव होते हैं और अगर आपकी उम्र 18 साल की हो गई है तो आप वोट का कार्ड बनवा लें और उसका सदुपयोग करें और अपनी वोट को सही तरीके से उपयोग करें। कार्यक्रम अधिकारी डा. सुमन की अगुवाई में इस दौरान कृषि एवं किसान कल्याण विभाग का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

मतदान के लिए किया मतदाताओं को जागरूक

खरखौदा (सच कहूँ /हेमंत कुमार)। स्थानीय कन्या महाविद्यालय की एनएसएस वन और टू ने, शिविर के दूसरे दिन मटिंडू गांव के मतदाओं, को मतदान के लिए जागरूक किया। एसो. प्रो.डॉ. सीमांत के नेतृत्व में मटिंडू में रैली निकाली गई। उन्होंने लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करते हुए कहाकि सभी को वोट डालने का अधिकार है। हम लोकतांत्रिक देश में रहते हं। अपने वोट का सही इस्तेमाल करें। होते हैं। जिस भी युवा की उम्र 18 साल की हो जाए उसे अपना वोट कार्ड बनवा लना चाहिए। उसका सदुपयोग कर अपनी वोट को सही तरीके से उपयोग करें। कविताओं और नारों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया। डॉ सुमन ने सभी स्वयं सेविकाओं का और शिविर से जुड़े सभी अधिकारियों का धन्यवाद करते हुए कहाकि मतदान हमारा कानूनी अधिकार है। इसलिए सही प्रत्याशी के पक्ष में वोट दें ताकि वह

Day-3

28-10-2022

कन्या महाविद्यालय खरखौदा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 1 तथा 2 की ओर से 7 दिवसीय शिविर के तीसरे दिन की शुरुआत में कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर प्रमिला ने सभी स्वयंसेविकाओं को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में बताते हुए कहा कि आज देश का युवा , नशे के मकड़जाल में फंसता जा रहा है। जिनके कंधों पर देश का भविष्य टिका है, वही कमजोर होते जा रहे हैं। डॉ सुमन ने नशे के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव के बारे में विस्तार से बताया । स्वयंसेविकाओं ने मटिण्डू गांव में जाकर एक सफल रैली निकाली तथा डॉक्टर सतवीर दहिया, वाइस प्रेसिडेंट कन्या महाविद्यालय खरखोदा, होशियार सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल खरखोदा ने अपने व्याख्यान में ग्रामीणों एवं स्वयंसेविकाओं को बताया कि नशे की लत के चलते परिवार में विघटन, घरेलू हिंसा में वृद्धि, स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है तथा प्रतिभा का हनन हो रहा है | हर साल 26 जून को नशा मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है | नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो बहुत बड़ा जागरूकता अभियान चलाता है | उसके बाद स्वयंसेविकाओं ने नशे से बचाव करने हेतु एक नाटक के माध्यम से संदेश देने का प्रयास किया | आज नशे के पदार्थों तक सरलता से पहुंच हो जाती है | प्रत्येक गांव में शराब की दुकान जरूर मिल जाती है | अनेक पुलिस कार्रवाई से ऐसी खबरें मिलती है कि गांव में अन्य प्रकार के नशे के पदार्थ के तस्कर मौजूद रहते हैं, जिन पर समय-समय पर कार्रवाई भी की जाती है | अनेक ऐसे आंकड़े हैं कि स्कूल स्तर पर ही बच्चे विभिन्न प्रकार के नशे के आदी हो जाते हैं | इन सबसे बचाव के उपाय के बारे में स्वयंसेविकाओं ने एक नाटक प्रस्तुत किया |

इसके बाद डॉ दर्शना,एसोसिएट प्रोफेसर,कन्या महाविद्यालय खरखोदा ने खेल-कूद के बारे में बताया कि हम खेल का नियमित अभ्यास करें तो हम अधिक सक्रिय और स्वस्थ रह सकते हैं। खेल गतिविधियों में शामिल होना, हमें बहुत से रोगो से सुरक्षित रखने मे मदद करता है।

इसके बाद दूसरे अतिथि डॉक्टर संगीता कुमारी सहायक प्राध्यापिका, शहीद द्लवीर सिंह महाविद्यालय , पीपली ने प्रदूषण तथा उससे फैलने वाली बीमारियों के बारे मे बताया । प्रदूषण के कारण होने वाली बीमारियों में सबसे अधिक और बड़ी शवास से संबंधित रोगों की होती है । यह बीमारियां वायु प्रदूषण से होती हैं । जल प्रदूषण से पेट की बीमारियां होती हैं । हर साल 2 दिसंबर को भारत में राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाया जाता है| उसके बाद डॉ उषा दहिया एसोसिएट प्रोफेसर,सीआरए कॉलेज सोनीपत, ने महात्मा गांधी के विचारों कि आज के समय में साथ, सार्थकता के बारे में बताया । गांधीवाद की शुरुआत प्रसिद्ध पंक्ति "सादा जीवन उच्च विचार "से होती है । उनका उद्देश्य है व्यक्ति व समाज को बदलना और जीवन व शासन के अनेक पहलुओं में गांधीवादी दर्शन को विकसित करने का प्रयास करना अनिवार्य है । उसके बाद श्री राम कुमार ने "ध्यान" के बारे में बताया । ध्यान करने से हमें एक नहीं अनेक फायदे होते हैं ।ध्यान करने से हम मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ रहते हैं । ध्यान करने से मानसिकता एकाग्रता बढ़ती है व मानव एक सुखी जीवन व्यतीत कर सकता है। हर साल 20 मई को मेडिटेशन दिवस मनाया जाता है । स्वयं सेविकाओं ने नशे से बचाव करने हेतु एक नाटक प्रस्तुत किया ।आज नशे के पदार्थ तक पहुंच सरलता से हो जाती है ।प्रत्येक गांव में शराब की दुकान जरूर मिल जाती है ।अनेक ऐसे आंकड़े हैं कि स्कूल स्तर पर ही बच्चे सिगरेट व तंबाकू के आदी हो जाते हैं ।उसके बाद कॉलेज में फाइन आर्ट प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें रंगोली ,पोस्टर मेकिंग, मेहंदी व कार्टूनिंग आदि प्रतियोगिता हुई । इन सभी के अंतर्गत कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रमिला व डॉ सुमन ने पूरे कार्यक्रम को सफलता के साथ संभाला व पूरा किया ।

उसके बाद कॉलेज में फाइन आर्ट प्रतियोगिताओं आयोजन हुआ जिसमें रंगोली, पोस्टर मेकिंग, मेहंदी तथा कार्टूनिंग आदि प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ | इन सभी कार्यक्रमों के अंतर्गत कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर प्रमिला व डॉक्टर सुमन ने पूरे कार्यक्रम को सफलता के साथ संभाला व पूरा किया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं का परिणाम इस प्रकार रहा:

Best out of Waste:

Priya Rana -1st

Mehandi Rachao:

Geeta and Jyoti - 1st

Silky and Nisha- 2nd

Akanksha- 3rd

Varsha and Nitika- Consolation

Poster Making

Bulbul- 1st

Mansi- 2nd

Amisha and Anusha- 3rd

Rangoli Sajao

Pinky: 1st

Aanchal: 2nd

Priyanshu and Dimple: 3rd

Relevant Link:

https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=pfbid09CtYnNazHzNoMgv1SLmxuYt4r1eXAfDDuYDfJKWBLk6HLUFCzABGgkjrtRsz1voGl&id=100013243356996&mibextid=Nif5oz

2022/10/28 12:09

Not Me But You

NEWS CORNER

नशे के दुष्प्रभावों से कराया अवगत

खरखौदा। सात दिवसीय एनएसएस शिविर के तीसरे दिन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रमिला ने स्वयंसेविकाओं को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में बताया।

डॉ. प्रमिला में कहा कि आज देश का युवा नशे की दलदल में फंसता जा रहा है। जिनके कंधों पर देश का भविष्य टिका है, वही कमजोर होते जा रहे हैं। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि युवाओं को सही मार्ग दिखाएं। डॉ. सुमन ने स्वयंसेविकाओं को नशे से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई। कन्या महाविद्यालय समिति के उप प्रधान डॉ. सतबीर दहिया ने कहा कि नशे की लत के चलते परिवार में विघटन, घरेलू हिंसा में वृद्धि, स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही प्रतिभा का हनन हो रहा है। उन्होंने कहा कि गांव तक नशे व उसके तस्करों की पहुंच हो गई है। जिससे स्कूली स्तर पर ही बच्चों का भविष्य खराब हो रहा है। संवाद

नशे को लेकर किया जागरूक

खरखौदा : शहर के कन्या महाविद्यालय द्वारा चला जा रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के तीसरे दिन कार्यक्रम अधिकारी डा. प्रमिला ने स्वयंसेविकाओं को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आज देश का युवा नशे के मकड़ जाल में फंसता जा रहा है। कन्या कालेज समिति उप प्रधान डा. सतबीर दहिया ने इस दौरान कहा कि नशे की लत के चलते परिवार में विघटन, घरेलू हिंसा में वृद्धि, स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है और प्रतिभा का हनन हो रहा है। (संस)

Day-4

29-10-2022

सात दिवसीय शिविर के चौथे दिन की शुरुआत करते हुए डॉक्टर प्रमिला ने महिलाओं में होने वाले **मासिक धर्म चक्र** के बारे में बताया कि मासिक धर्म के समय स्वच्छता बनाए रखने के लिए सफाई रखनी बहुत जरूरी है । सेनेटरी पैड को हर 4 से 6 घंटे में जरूर बदलें । पूरे दिन एक ही पैड का इस्तेमाल करना सेहत के लिए हानिकारक तो है ही इसके अलावा इससे जलन और इन्फेक्शन भी हो सकता है। आप एक अच्छे ऑर्गेनिक और बायोडिग्रेडेबल सेनेटरी पैड का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इन्हीं सब बातों के बारे में बताते हुए डॉक्टर प्रमिला एसोसिएट प्रोफेसर कन्या महाविद्यालय ने गांव की महिलाओं को सेनेटरी पैड बांटे। इसके बाद डॉ सुमन ने ब्रेस्टफीडिंग के बारे में बताया कि दूध पिलाने से हार्मोन प्रोलेक्टिन का स्त्राव भी होता है जिससे मां शांत और रिलैक्स्ड महसूस करती है। यह होमोरेज के जोखिम को कम करता है। प्रसव के बाद मासिक धर्म के चक्र के फिर से शुरू होने में विलंब करता है। और इस तरह इस बच्चे के जन्म और अगले गर्भधारण के बीच एक स्वस्थ अंतर बना रहता है।उसके बाद **मटिंडू गांव** में स्वयं सेविकाओं ने एक **'स्वच्छ भारत -सुदृढ़ भारत' व 'सही पोषण -देश रोशन ' पर एक सफल रैली निकाली। श्रीमती उपासना सैनी, बाल संरक्षण विभाग ने साइबर अपराध** के बारे में सभी को बताया। साइबर अपराध एक अपराधिक कृत्य है जो इंटरनेट के माध्यम से कंप्यूटर के उपकरण या किसी अन्य स्मार्ट उपकरणों के रूप में इस्तेमाल करते हुए इस काम को अंजाम दिया जाता है। हैकर या अपराधियों के पास इस अपराध को करने के विभिन्न उद्देश्य होते हैं। उसके बाद **'श्री सतपाल अहलावत ' चेयरमैन "जल बचाओ -जल चेतना समिति अभियान" ,** श्री अमित सांगवान रिसोर्स कोऑर्डिनेटर WSSO ने जल संरक्षण जागरूकता के बारे में बताते हुए कहा कि हम कैसे जल को बर्बाद न करके उसका बचाव कर सकते हैं।धरती पर जीवन के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए जल का संरक्षण व बचाव बहुत जरूरी है क्योंकि बिना जल के जीवन संभव नहीं है। धरती इकलौता अकेला ऐसा ग्रह है जहां पानी और जीवन मौजूद है। सायंकाल सत्र में श्री राम कुमार ने स्वयंसेविकाओं को "ध्यान" करने के फायदे के बारे में बताया। वह एक अभ्यास है जिससे व्यक्ति के शारीरिक ,मानसिक ,आत्मिक व भावनात्मक रूप से शांत रखता है । ध्यान के अलग-अलग अर्थ होते हैं महर्षि पतंजलि के ग्रंथ 'योग सूत्र' में भी ध्यान के बारे में वर्णन किया गया है।

उसके बाद डॉ शालिनी असिस्टेंट प्रोफेसर कन्या महाविद्यालय खरखोदा ने साइबर सुरक्षा के बारे में बताया कि आज के हमारे आधुनिक जमाने के सभी लोग इंटरनेट से ही जुड़े हुए है। डाटा को चोरी होने से बचाव के लिए हमारे देश में कई डिवाइस उपलब्ध किए गए हैं, इसलिए हमें इनका प्रयोग करना चाहिए । **डॉ नमिता एसोसिएट प्रोफेसर** कन्या महाविद्यालय खरखोदा ने **उद्यमिता एवं स्वरोजगार** के बारे में बताया। उद्यमी एक आर्थिक नेता है जिसमें नई तकनीकों तथा नई वस्तुओं को व्यवस्थित करने के सफल आरंभ के लिए अवसरों को पहचानने की योग्यता होती है। कई बार उद्यमी को कई जोखिम भी सहनी पड़ती है । इसके बाद स्वयंसेविकाओं ने एक नाटक प्रस्तुत किया तथा लोगों को जागरुक करने का एक सफल प्रयास किया । **सेविकाओं ने व्यवसायिक खेती को जानने के लिए ऋषि एवं जितेंद्र मछली पालन उद्योग, गांव मटिंडू में भ्रमण किया जहां पर उन्होंने जाना कि समुद्र की तरह खारे पानी में भी इस तरह से मछली पालन करके हम अच्छा खासा मुनाफा कमा सकते हैं।**

कन्या महाविद्यालय
खरखौदा सोनीपत
राष्ट्रीय सेवा योजना (इकाई एक एंव दो)
Not Me But You
सात दिवसीय विशेष शिविर
दिनांक : 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2022
शिविर स्थान : गांव मटिण्डू, जिला सोनीपत

कन्या महाविद्यालय
खरखौदा सोनीपत
राष्ट्रीय सेवा योजना (इकाई एक एंव दो)
Not Me But You
सात दिवसीय विशेष शिविर
दिनांक : 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2022
शिविर स्थान : गांव मटिण्डू, जिला सोनीपत

कन्या महाविद्यालय
खरखौदा सोनीपत
Not Me But You

GPS Map Camera
Kharkhoda, Haryana, India
VWJ6+RRX, Kharkhoda, Haryana
131402, India
Lat 28.882505°
Long 76.912552°
29/10/22 03:36 PM GMT +05:30
Google

Not Me But You
सात दिवसीय विशेष शिविर

GPS Map Camera
Ashrafpur Matindu-R, Haryana, India
Gurukul Rd, Ashrafpur Matindu-R,
Haryana 131402, India
Lat 28.867012°
Long 76.852173°
29/10/22 01:26 PM GMT +05:30
Google

राष्ट्रीय सेवा योजना (इकाई एक एवं दो)
Not Me But You
सात दिवसीय विशेष शिविर

कन्या महाविद्यालय
खरखौदा सोनीपत
राष्ट्रीय सेवा योजना (इकाई एक एंव दो)
Not Me But You
सात दिवसीय विशेष शिविर
दिनांक : 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2022

कन्या महाविद्यालय
खरखौदा सोनीपत
राष्ट्रीय सेवा योजना (इकाई एक एंव दो)
Not Me But You
सात दिवसीय विशेष शिविर
दिनांक : 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2022

कन्या महाविद्यालय
Not Me But You
सात दिवसीय विशेष शिविर

कन्या महाविद्यालय
खरखौदा सोनीपत
राष्ट्रीय सेवा योजना (इकाई एक एवं दो)
Not Me But You
सात दिवसीय विशेष शिविर
दिनांक : 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2022
शिविर स्थान : गांव मटिण्डू, जिला सोनीपत

Not Me But You
सात दिवसीय विशेष शिविर

रात का खाना खाने के बाद पी.पी.टी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें स्वयं सेविकाओं ने पीपीटी के माध्यम से अपशिष्ट पदार्थों को इस्तेमाल करने के बारे में बताया । इन सभी के अंतर्गत **कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रमिला तथा डॉ सुमन ने पूरे कार्यक्रम को सफलता के साथ संभाला व पूरा किया।**

Result of Power Point Presentation Competition:

Himanshi- 1st

Manisha-2nd

Rakhi & Kiran- 3rd

Relevant Link:
https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=pfbid02zBSedJhmv2xHGNMqKnp7iwADwYG6Avue9t55LDpS1F34Eos5HK54j9uz834f5HLfl&id=100013243356996&mibextid=Nif5oz

NEWS CORNER

कैंप के दौरान महिलाओं को किया जागरूक

खरखौदा |सात दिवसीय शिविर के चौथे दिन की शुरुआत करते हुए डॉक्टर प्रमिला ने महिला रोगों के बारे में छात्राओं को जानकारी दी। इन्फेक्शन से बचाव के बारे में भी बताया। डॉ सुमन ने ब्रेस्टफीडिंग के बारे में बताया कि दूध पिलाने से हार्मोन प्रोलेक्टिन का स्त्राव भी होता है , जिससे मां शांत और रिलैक्स्ड महसूस करती है। यह होमोरेज के जोख़िम को कम करता है। मटिंडू गांव में स्वयं सेविकाओं ने एक 'स्वच्छ भारत -सुदृढ़ भारत' व 'सही पोषण -देश रोशन ' पर एक सफल रैली निकाली । उपासना सैनी, बाल संरक्षण विभाग ने साइबर अपराध के बारे में सभी को बताया। हैकर या अपराधियों के पास इस अपराध को करने के विभिन्न उद्देश्य होते हैं। डॉ शालिनी असिस्टेंट प्रोफेसर कन्या महाविद्यालय खरखौदा ने साइबर सुरक्षा के बारे में बताया । इन सभी के अंतर्गत कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रमिला तथा डॉ सुमन ने पूरे कार्यक्रम को सफलता के साथ संभाला व पूरा किया।

शिविर में स्वयंसेविकाओं ने ली जानकारी

खरखौदा : कन्या कालेज में चल रहे साप्ताहिक एनएसएस शिविर के चौथे दिन डा . प्रमिला ने स्वयं सेविकाओं व मासिक धर्म व इस दौरान रखी जाने वाली साफ–सफाई के बारे में बताया वहीं बाल संरक्षण विभाग से पहुंची उपासना सैनी ने स्वयं सेविकाओं को साइबर अपराध के बारे में सभी को बताया । जल बचाओ –जल चेतना समिति अभियान के चेयरमैन सतपाल अहलावत व रिसोर्स कोआर्डिनेटर अमित सांगवान ने जल संरक्षण जागरूकता के बारे में जानकारी मुहैय करवाई । वहीं डा . नमिता एसोसिएट प्रोफेसर ने उद्यमिता एवं स्वरोजगार के बारे में स्वयं सेविकाओं को जानकारी मुहैया करवाई । (संस)

खबर संक्षेप

स्वयं सेविकाओं ने जाना साइबर क्राइम के बारे में

खरखौदा। कन्या कालेज में चल रहे एनएसएस शिविर के चौथे दिन डा. प्रमिला ने स्वयं सेविकाओं को मासिक धर्म व इस दौरान रखी जाने वाली साफ-सफाई के बारे में बताया। वहीं बाल संरक्षण विभाग से पहुंची उपासना सैनी ने साइबर अपराध के बारे में बताया। जल बचाओ -जल चेतना समिति अभियान के चेयरमैन सतपाल ने

एनएसएस शिविर में दी सेनेटरी पैड संबंधी जानकारी

खरखौदा (सच कहूँ / हेमंत कुमार)। कन्या कालेज के सात दिवसीय एनएसएस शिविर के, चौथे दिन डा. प्रमिला ने महिलाओं में होने वाले मासिक धर्म की जानकारी दी। मासिक धर्म के समय स्वच्छता, सफाई रखनी बहुत जरूरी है । सेनेटरी पैड को हर 4 से 6 घंटे में जरूर बदलें। पूरे दिन एक ही पैड का इस्तेमाल करना सेहत के लिए हानिकारक है। इससे जलन और इन्फेक्शन भी हो सकता है। डॉ सुमन ने ब्रेस्टफीडिंग ने कहाकि दूध पिलाने से हार्मोन प्रोलेक्टिन का स्त्राव भी होता है। जिससे मां शांत और रिलैक्स्ड महसूस करती है। यह होमोरेज के जोखिम को कम करता है। प्रसव के बाद मासिक धर्म के चक्र के फिर से शुरू होने में विलंब करता है। मटिंड गांव में स्वयं सेविकाओं ने एक स्वच्छ भारत

Day-5

30-10-2022

कन्या महाविद्यालय खरखोदा की ओर से आयोजित हो रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के **पांचवे दिन** का सूत्रपात एक नवीन योजना के साथ हुआ। आज **डॉ सुरेंद्र डबास,डॉ जय गोपाल, श्री नरेंद्र सिंह एवं श्री संजीत' BLK -Max Super Speciality hospital, Rajendra Place, New Delhi** की टीम **गांव मटिंडू** में उपस्थित रही। उन्होंने लगभग **200 ग्रामवासियों का चेकअप** किया जिसमें कि **ब्लड प्रेशर, शुगर, बोन मिनरल डेंसिटी एंड एनी अदर हेल्थ प्रॉब्लम्सस** सभी टेस्ट किए गए । इस दौरान उन्होंने पाया कि ग्रामीण क्षेत्र में भी बहुत से लोग शुगर और ब्लड प्रेशर जैसी बीमारी से ग्रस्त हैं। गटेस्ट के साथ-साथ डॉक्टरों ने ग्रामवासियों को स्वास्थ्य की देखभाल करने के उपाय भी बताएं।

इसके बाद स्वयंसेविकाएं ,**श्री राम कुमार जी के बरोणा में स्थित मशरूम के ऑर्गेनिक फार्म पर गई** । जहां श्री राम कुमार जी ने स्वयं सेविकाओं को मशरूम की खेती के बारे में अवगत कराया।मशरूम की खेती को ओयस्टर कहा जाता है। इसमें औषधीय गुण बहुत अधिक होते हैं।मशरूम इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए,दिल के लिए, खून की कमी के लिए, डायबिटीज के लिए और हड्डियों के लिए बहुत फायदेमंद है ।

सायकालीन सत्र में प्रमिला एसोसिएट प्रोफेसर कन्या महाविद्यालय खरखोदा ने 'रक्तदान- महादान' के बारे में बताया ।उन्होंने आज तक अपना कई बार रक्तदान किया है ।**हम हर साल 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस** मनाते हैं।रक्तदान जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य रक्तदान करने की प्रथा है।लोग भविष्य के उपयोग के लिए ब्लड बैंक में ब्लड स्टोर करने की प्रवृत्ति भी रखते हैं। यह मानवता का प्रतीक है जो विभिन्न धर्म,जाति व पंथ के लोगों को एकजुट करने में मदद करता है। उन्होंने **रक्तदान पर कुछ और भी जरूरी बातों के बारे में बताया**।

1) रक्तदान अन्य लोगों को जीवन देने के बारे में है।

2) एक औसत रक्त दाताको एक बार में लगभग 1 पिंट रक्तदान करने की अनुमति है जो एक व्यस्क के शरीर में रखी गई मात्रा भी 1/10 वां हिस्सा है।

3) तीन लोगों की जान बचाने के लिए एक पेंट रक्त पर्याप्त है।

4) मुख्य रूप से चार प्रकार के ब्लड ग्रुप ए ,बी ,एबी वह ओ पाए जा सकते हैं।

5) एबी प्लस रक्त समूह सार्वभौमिक प्राप्त करता है ,और वह नेगेटिव सार्वभौमिक दाता है।

BLK-MAX

कैंसर मुक्त
हरियाणा
BLK-MAX

BLK-MAX

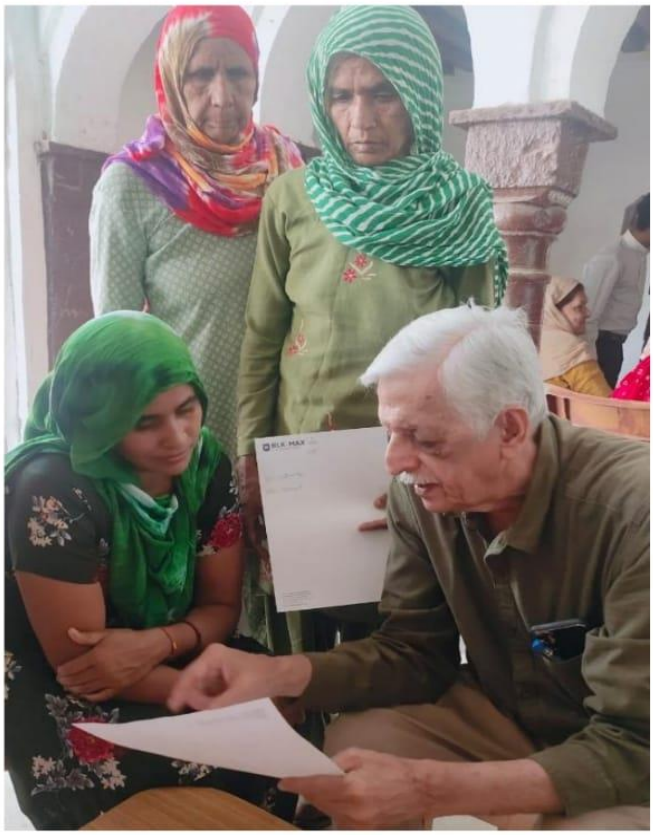

17 - 66 आयु वर्ग के भीतर व 50 किलो से अधिक वजन का कोई भी व्यक्ति रक्तदान करने के लिए पात्र है। रक्तदान की पूरी प्रक्रिया में लगभग 8 से 10 मिनट का समय लगता है जहां व्यक्ति को लेटना पड़ता है और उनसे लगभग 1 पिंट रक्त एकत्रित किया जाता है। रोग कम होते हैं ।शरीर की ताकत बढ़ाने के लिए हरी पत्तेदार सब्जी अच्छी होती है। स्वस्थ भोजन मोटापे को रोकता है और वसा हानि को भी बढ़ावा दे सकता है।जंक फूड स्वस्थ खाने के विपरीत है और इसमें बहुत अधिक चीनी नमक और वसा होता है।स्वस्थ रहने के लिए हमें स्वच्छता पर भी ध्यान देना चाहिए । घर में सूर्य की रोशनी पर्याप्त मात्रा में भी आनी चाहिए इससे कीटाणु मर जाते हैं ।स्वास्थ्य के लिए अधिक देर तक सोना हानिकारक है। रात को जल्दी सोना और सुबह जल्दी उठना स्वास्थ्य के लिए बहुत डॉ सुमन एसोसिएट प्रोफेसर, कन्या महाविद्यालय ने 'हेल्थ एंड न्यूट्रीशन' के बारे में बताया कि ,भोजन का सेवन स्वस्थ और संतुलित जरूरी होता है। इन सब कार्यों को कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रमिला व डॉ सुमन ने बड़े ही सुसज्जित ढंग से संभाला ।

RELEVANT LINK:

https://aimamedia.org/newsdetails.aspx?nid=145464

https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=pfbid02yxY41LadudAowH8SCsF7uVeT9Zze9TiJVPmWD5ggbTLq1SDbPkyLJKWNJbX

NEWS CORNER

सच कहूँ | सच्च कहूँ

31 Oct 2022 - Page 10

मटिंडू में लगे शिविर में की 200 व्यक्तियों के स्वास्थ्य की जांच

खरखौदा (सच कहूँ /हेमंत कुमार)। स्थानीय कन्या महाविद्यालय की एनएसएस की दोनों इकाईयों ने, मटिंडू गांव में शिविर लगाया। जिसका शुभारंभ अधिकारी प्रमिला ने किया। शिविर में 200 व्यक्तियों के स्वास्थ्य की जांच की गई।

उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति को जीवन में रक्तदान जरूर करना चाहिए। इसे महादान कहा गया है। उन्होंने भी जीवन में कई बार रक्तदान किया है। 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस के रूप में मनाया जाता है। ब्लड बैंकों में रक्त किसी भी जरूरत मंद के जीवन को बचा सकता है। रक्तदान विभिन्न धर्म, जाति व पंथ के लोगों को एक जुट करने मे मदद करता है। एक व्यक्ति द्वारा किया रक्तदान तीन लोगों की जान बचाता है। शिविर में मैक्स अस्पताल के डा. सुरेन्द्र डबास, जय गोपाल, नरेन्द्र सिंह, संजीत सिंह की टीम ने 200 ग्रामीणों के शुगर, बोन मिनरल डेंसिटी व अन्य रोगों की जांच की। स्वंयसेविकाओं ने बरोणा गांव में मशरूम की खेती की जानकारी प्राप्त की। रामकुमार व डा. सुमन ने कहा कि मशरूम में औषधिय गुण बहुत अधिक होते हैं। इसके खाने से व्यक्ति के शरीर की हड्डीयां मजबूत होती हैं। शरीर में ताकत बढ़ाने के लिए हरी पतेदार सब्जी अच्छी होती है।

S

स्वयं सेविकाओं ने मशरूम फार्म का किया दौरा

■ शिविर स्थल पर दो सौ ग्रामवासियों का चेकअप

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सोनीपत

कन्या महाविद्यालय द्वारा आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के पांचवें दिन का सूत्रपात एक नवीन योजना के साथ किया गया। रविवार को डॉ सुरेंद्र डबास, डॉ जय गोपाल, नरेंद्र सिंह व संजीत दिल्ली की टीम शिविर स्थल गांव मटिंडू में पहुंची।

उन्होंने लगभग 200 ग्रामवासियों का चेकअप किया। जिसमें ब्लड प्रेशर, शुगर, बोन मिनरल डेंसिटी एंड एनी अदर हेल्थ प्रॉब्लम्स सभी टेस्ट किए गए।

इस दौरान उन्होंने पाया कि ग्रामीण क्षेत्र में भी बहुत से लोग शुगर और ब्लड प्रेशर जैसी बीमारी से ग्रस्त हैं ह्र टेस्ट के साथ-साथ डॉक्टरों ने ग्रामवासियों को स्वास्थ्य की देखभाल करने के उपाय भी बताएं। बाद में स्वयं सेविकाएं, राम कुमार के बरोणा में स्थित मशरूम के ऑर्गेनिक फार्म पर गई। जहां राम कुमार ने उन्हें मशरूम की खेती के बारे में अवगत कराया। मशरूम की खेती को ओयस्टर कहा जाता है। इसमें औषधीय गुण बहुत अधिक

ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच करते चिकित्सक।

होते हैं। मशरूम इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए, दिल के लिए, खून की कमी के लिए, डायबिटीज के लिए और हड्डियों के लिए बहुत फायदेमंद है। उन्होंने बताया कि शरीर की ताकत बढ़ाने के लिए हरी पत्तेदार सब्जी अच्छी होती है। स्वस्थ भोजन मोटापे को रोकता है और वसा हानि को भी बढ़ावा दे सकता है। जंक फूड स्वस्थ खाने के विपरीत है और इसमें बहुत अधिक चीनी नमक और वसा होता है।

स्वस्थ रहने के लिए हमें स्वच्छता पर भी ध्यान देना चाहिए। घर में सूर्य की रोशनी पर्याप्त मात्रा में भी आनी चाहिए इससे कीटाणु मर जाते हैं। स्वास्थ्य के लिए अधिक देर तक सोना हानिकारक है। रात को जल्दी सोना और सुबह जल्दी उठना स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी होता है।

DAY-6

31-10-2022

सात दिवसीय शिविर के छठे दिन का सूत्रपात एक नए जोश के साथ शुरू हुआ। महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर एकता के लिए दौड़ का आयोजन गया जिसमें कार्यक्रम अधिकारी तथा सभी स्वयंसेविकाए ने भाग लिया। **प्रोफेसर 'राजकुमार धनखड़' कोऑर्डिनेटर, राष्ट्रीय स्वयं सेवा योजना, MDU Rohtak** ने सभी स्वयंसेवकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब हम एकजुट होकर रहेंगे तो हम मजबूत बने रहेंगे और किसी भी समस्या का सामना करने में सक्षम हो सकेंगे। उन्होंने एकता में बल है इस कहावत का सही अर्थ समझाया। इसके बाद सभी स्वयंसेविकाओं ने कार्यक्रम अधिकारी के साथ मिलकर तलियार झिल तथा चिड़ियाघर का भ्रमण किया। **डॉ प्रमिला ,एसोसिएट प्रोफेसर कन्या महाविद्यालय खरखोदा ने 'बेटी बचाओ -बेटी पढ़ाओ' के तहत** 'जन्म देने वाली मैं फिर भी मैं असुरक्षित ' के बारे में बताया। भारत में सदियों से महिलाओं को शिक्षा एवं समाज में बराबरी के अधिकार के तहत भारत की लाखों बेटियां अपनी प्रतिभा से देश का नाम रोशन करने में कामयाब हुई , तब जाकर सरकार ने भी लोगों को जागरूक करने हेतु 'बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ' अभियान का संचालन प्रारंभ किया। सन् 1991,2001,2011 की जनगणना के अनुसार महिलाओं की जनसंख्या में पुरुषों के अनुपात में निरंतर गिरावट देखी गई। बेटी को वह पराया धन समझते हैं,इसे पढ़ाने के क्या फायदे , इसकी शादी में बहुत सारा दहेज भी देना पड़ेगा आदि फल स्वरुप लोग बेटियों को पैदा होने से पहले ही मार देते थे। इसके बाद 'बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ' योजना सन 2015 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय,स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एवं मानव संसाधन विकास द्वारा आरंभ की गई। सायंकाल स्तर में विशेष शिविर के समापन की तैयारी की। इन सब में हमारे कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रमिला तथा डॉ सुमन ने सारे कार्यक्रम को बहुत ही सुसज्जित ढंग से संभाला और पूरा किया।

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY, ROHTAK
(A State University established under Haryana Act No. XXV of 1975)
'A'' Grade University Accredited by NAAC
NATIONAL SERVICE SCHEME
NOT ME - BUT YOU

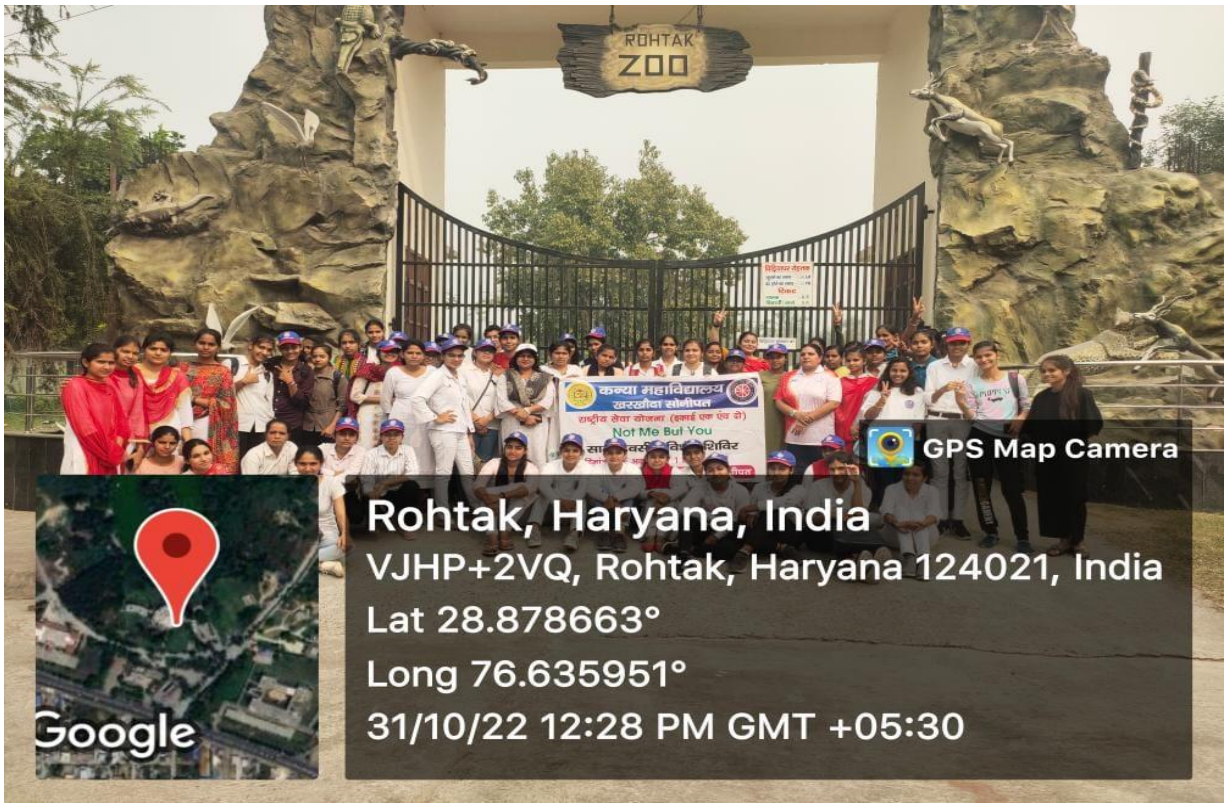
ROHTAK
ZOO
Not Me But You
GPS Map Camera
Rohtak, Haryana, India
VJHP+2VQ, Rohtak, Haryana 124021, India
Lat 28.878663°
Long 76.635951°
31/10/22 12:28 PM GMT +05:30
Google

कन्या महाविद्यालय
खरखौदा सोनीपत
राष्ट्रीय सेवा योजना (इकाई एक एंव दो)
Not Me But You
सात दिवसीय विशेष शिविर
दिनांक : 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2022
शिविर स्थान : गांव मटिण्डू, जिला सोनीपत

ROHTAK
ZOO
कन्या महाविद्यालय
खरखौदा सोनीपत
राष्ट्रीय सेवा योजना (इकाई एक एंव दो)
Not Me But You

GPS Map Camera
Rohtak, Haryana, India
VJGF+Q33, Maharshi Dayanand University,
Rohtak, Haryana 124001, India
Lat 28.877407°
Long 76.622631°
31/10/22 09:22 AM GMT +05:30
Google

कन्या महाविद्यालय
सोनीपत
राष्ट्रीय सेवा योजना (इकाई एक एंव दो)
Not Me But You
सात दिवसीय विशेष शिविर
दिनांक : 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2022
शिविर स्थान : गांव मटिण्डू, जिला सोनीपत

कन्या महाविद्यालय
खरखौदा सोनीपत
राष्ट्रीय सेवा योजना (स्काई एक एव दो)
GPS Map Camera
रोहतक, हरियाणा, भारत
बाबा गंगा नाथ मार्ग, महर्षि दयानंद युनिवर्सिटी, रोहतक, हरियाणा
124001, भारत
Lat 28.877823°
Long 76.622782°
31/10/22 09:27 AM GMT +05:30
Google

DAY-7

01-11-2022

कन्या महाविद्यालय खरखोदा, राष्ट्रीय सेवा योजना- Unit 1 & 2 द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर के समापन समारोह का आयोजन कॉलेज प्रांगण में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप डॉ सुरेश बुरा भूतपूर्व प्राचार्या कन्या महाविद्यालय खरखोदा ने शिरकत की। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को शिविर में सिखाई गई बातों को अपने और आसपास के लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को बताया कि नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए हम अपने लक्ष्य को सहज प्राप्त कर सकते हैं। **कॉलेज प्राचार्या डॉ योगिता मलिक ने हरियाणा दिवस की बधाई** देते हुए कहा कि जागरूक युवा देश की उन्नति का आधार है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही डॉ प्रमिला ने स्वयं सेविकाओं से देश हित में कार्य करने की बात कही। **डॉ प्रमिला ने सात दिवसीय शिविर की रिपोर्ट प्रस्तुत की**। इसके बाद स्वयंसेविकाओं ने हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य पर रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए समा बांधा। **मुख्य अतिथि डॉ सुरेश बूरा ने हरियाणा दिवस के बारे में बताते हुए कहा कि 1 नवंबर 1966 को पंजाब पुनर्गठन अधिनियम एक्ट 1966 के तहत हरियाणा राज्य का गठन हुआ**। 23 अप्रैल 1966 को पंजाब राज्य को विभाजित करने और नए हरियाणा राज्य की सीमाएं निर्धारित करने के लिए भारत सरकार ने जे. सी. शाह की अध्यक्षता में शाह कमीशन की स्थापना की। 31 मई 1966 को कमीशन ने अपनी रिपोर्ट जारी की रिपोर्ट के अनुसार छह जिलों को राजा हरियाणा का भाग बनाया गया । साथ ही कमीशन की सिफारिश के चलते चंडीगढ़ को पंजाब और हरियाणा की राजधानी बनाया गया। उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य वैदिक सभ्यता और सिंधु घाटी सभ्यता का मुख्य निवास स्थान है। **हरियाणा में मुख्य रूप से कृषि और पशुपालन किया जाता है जिसके चलते हरियाणा में 'दूध दही का खाना' उपनाम से भारत में प्रचलित है।** मुख्य अतिथि डॉक्टर सुरेश बूरा ने शिविर में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली विजेताओं को बधाई दी और आगे भी इसी तरह से प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।समापन समारोह में स्वयंसेविकाओं ने सांस्कृतिक एवं कविता, गीता आदि रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में छात्राओं ने हरियाणवी डांस और हरियाणा के इतिहास को बखूबी दर्शाया। धन-धान्य, सांस्कृतिक, साहित्यिक, औद्योगिक विशि ष्टताओं के अलावा खेल व कृषि संपदा से भरपूर इस प्रदेश की विकास यात्रा लंबी नहीं है, लेकिन इसने तेजी से कदम दर कदम सफलता के जो पड़ाव पार किए हैं, वे बेमिसाल हैं। स्वयं सेविका ने हरियाणा के बारे में चर्चा करते हुएबताया कि यह वही भूमि है जहां आर्यों ने पहला स्तोत्र गाया। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया। यह भूमि महाभारत जैसे युग परिवर्तक युद्ध के साथ ही उत्तर मध्यकाल में भारत के इतिहास पर अमिट प्रभाव छोड़ने वाली पानीपत की तीन लड़ाइयों का गवाह रही। **सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। सात दिवसीय शिविर में भाग लेने वाली छात्राओं को सर्टिफिकेट दिए गए और प्लास्टिक का प्रयोग ना करें, इसके लिए कपड़े के थैले भी बांटे गए। कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रमिला एवं डॉ सुमन ने कार्यक्रम को बहुत ही सुसज्जित ढंग से संभाला। उन्होंने सारे कार्यक्रम को बहुत ही हर्ष और उल्लास पूर्वक पूर्ण किया। इसके चलते राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय शिविर सुसज्जित ढंग से संपन्न हुआ।**

PHOTO GALLERY:

HAPPY Birthday
HAPPY Birthday
POWER

HARYANA DAY
CELEBRATION

Girl
power

HARYANA
DAY

GPS Map Camera
Kharkhoda, Haryana, India
VWJ6+RRX, Kharkhoda, Haryana 131402, India
Lat 28.882442°
Long 76.912716°
01/11/22 12:29 PM GMT +05:30
Google

LOVE
FOOD

NEWS CORNER:

नैतिक मूल्यों का पालन करने से लक्ष्य की सहज प्राप्ती:बूरा

खरखौदा (सच कहूँ / हेमंत कुमार)। स्थानीय कन्या महाविद्यालय में,एनएसएस का सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन हो गया। मुख्यातिथि पूर्व प्राचार्य डा. सुरेश बूरा ने, स्वयंसेविकाओं को शिविर में सिखाई गई बातों को अपने और आसपास के लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। पंजाब पुनर्गठन 1966 के तहत हरियाणा को 1 नवंबर 1966 को राज्य का दर्जा प्राप्त हुआ। 23 अप्रैल 1966 को पंजाब और नए हरियाणा की सीमाएं निर्धारित करने के लिए केन्द्र सरकार ने जे सी शाह की अध्यक्षता में, शाह कमीशन की स्थापना की गई। 31 मई 1966 को कमीशन की रिपोर्ट में 7 जिलों

को हरियाणा का भाग बनाया गया। कमीशन की सिफारिश में चंडीगढ़ को पंजाब और हरियाणा की राजधानी बनाया गया। हरियाणा वैदिक सभ्यता और सिंधु घाटी सभ्यता का मुख्य निवास स्थान है। यहां कृषि और पशुपालन के कारण हरियाणा में दूध दही का खाना उपनाम से देश में प्रचलित है। डॉक्टर सुरेश बूरा ने शिविर में विभिन्न स्पर्धाओं की विजेताओं को बधाई देते हुए, पुरस्कृत किया। डा. प्रमिला व डा. सुमन ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका अदा की।

कार्यक्रमों के साथ एनएसएस शिविर का समापन

संवाद सहयोगी, खरखौदा : कन्या महाविद्यालय में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के साप्ताहिक शिविर का मंगलवार को समापन हो गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि कालेज पूर्व प्राचार्य डा . सुरेश बूरा पहुंची। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को शिविर में सिखाई गई बातों को आसपास के लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को बताया कि नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए हम अपने लक्ष्य को सहज प्राप्त कर सकते हैं। महाविद्यालय प्राचार्य डा . योगिता मलिक ने हरियाणा दिवस की बधाई देते हुए कहा कि जागरूक युवा देश की उन्नति का आधार है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही डा . प्रमिला ने

समापन समारोह पर दीप प्रज्जवलित करती पूर्व प्राचार्य डा . सुरेश बूरा ● जागरण

स्वयं सेविकाओं से देश हित में कार्य करने की बात कही। डा . प्रमिला ने सात दिवसीय शिविर की रिपोर्ट प्रस्तुत की। स्वयंसेविकाओं ने हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए समा बांधा।

RELEVANTINKS:https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=pfbid02H3y22S2bYEUSXW3wLjuskKWkEkNsQDNkADAU1SVJA2hEZfAZqRe86ETbU1f6ZEoul&id=100013243356996&mibextid=Nif5oz